CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

CBSE 2026-27

हिंदी पाठ्यक्रम 'ब' (Hindi Course B)

Subject Code: 085 | कक्षा दसवीं (Class X)

अंक योजना – प्रतिदर्श प्रश्न पत्र – सेट 5

समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश

1. यह अंक योजना केवल उत्तर-बिंदु और अंक-विभाजन देती है; प्रश्न संबंधित प्रतिदर्श प्रश्न पत्र (SQP) में देखें। प्रश्न-संख्याएँ SQP के अनुसार हैं।
2. अन्य सही और प्रासंगिक उत्तरों को भी उचित अंक दिए जाएँ।
3. खंड ख में पाँच में से केवल चार उप-प्रश्नों का मूल्यांकन किया जाए।
4. लेखन-कार्य में विषय-वस्तु, भाषा-शुद्धता, प्रस्तुति/प्रारूप और शब्द-सीमा के आधार पर अंक दिए जाएँ।

परीक्षा प्रारूप

खंड	प्रश्न का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	प्रति प्रश्न अंक	कुल अंक
क	अपठित बोध (दो गद्यांश)	2 (10 उप-प्रश्न)	7	14
ख	व्यावहारिक व्याकरण (पदबंध, वाक्य रूपांतरण, समास, मुहावरे)	4 (20 उप-प्रश्न; 16 करने हैं)	4	16
ग	पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक (गद्य, काव्य, संचयन)	5 (21 उप-प्रश्न)	5, 6, 5, 6, 6	28
घ	रचनात्मक लेखन	5	5, 5, 4, 3, 5	22
	योग	**16**		**80**

इकाई-वार अंक भार

इकाई	इकाई का नाम	अध्याय / विषय	अंक
क	अपठित बोध	अपठित गद्यांश	14
ख	व्यावहारिक व्याकरण	पदबंध; रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण; समास; मुहावरे	16
ग	पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक	स्पर्श भाग-2 (गद्य 11 + काव्य 11); संचयन भाग-2 (6)	28
घ	रचनात्मक लेखन	अनुच्छेद; औपचारिक पत्र; सूचना; विज्ञापन; ई-मेल/लघुकथा	22
	योग		**80**

खंड – क

अपठित बोध — 14 अंक

Q1. **[7]**

(i) (c) देर रात तक जागना, जंक फ़ूड और शारीरिक श्रम का अभाव **[1]**
(ii) (a) सही आदतों पर **[1]**
(iii) (a) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या है **[1]**
(iv) सुबह जल्दी उठना, संतुलित भोजन करना, पर्याप्त नींद लेना और प्रतिदिन व्यायाम या योग करना आवश्यक बताया गया है। इन आदतों से स्वास्थ्य बना रहता है। **[2]**
(v) लेखक के अनुसार मन को प्रसन्न रखने के लिए परिवार और मित्रों के साथ समय बिताना लाभकारी है। यह मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी उतना ही आवश्यक है। **[2]**

Q2. **[7]**

(i) (d) प्रश्नों और जिज्ञासा से **[1]**
(ii) (b) बिना आधुनिक यंत्रों के गहन अध्ययन करके **[1]**
(iii) (d) कथन गलत है, परंतु कारण सही है **[1]**
(iv) आकाश के तारों और चाँद को देखकर उठने वाले प्रश्न ही विज्ञान की शुरुआत हैं। इसी जिज्ञासा से वैज्ञानिक खोज की राह खुलती है। यही प्रश्न आगे चलकर खोज बनते हैं। **[2]**
(v) उनकी जिज्ञासा ने गणित और खगोल-शास्त्र को समृद्ध किया। बिना आधुनिक यंत्रों के भी उन्होंने आकाश का गहन अध्ययन किया। इससे आज भी उनके योगदान पर गर्व किया जाता है। **[2]**

खंड – ख

व्यावहारिक व्याकरण — 16 अंक (प्रत्येक प्रश्न में किन्हीं चार उप-प्रश्नों के उत्तर दीजिए)

Q3. **[4]**

(i) (a) विशेषण पदबंध **[1]**
(ii) (b) फूलों से लदा **[1]**
(iii) (c) मेरे घर के सामने का **[1]**
(iv) (d) हँसमुख स्वभाव का **[1]**
(v) सामने वाले **[1]**

Q4. **[4]**

(i) (a) यदि मेहनत करोगे तो सफलता मिलेगी। **[1]**
(ii) (b) जिसने कठिन परिश्रम किया, उसे पुरस्कार मिला। **[1]**
(iii) (c) परिश्रमी होने के कारण मोहन सफल हुआ। **[1]**
(iv) (d) तेज़ दौड़कर उसने पहला स्थान पाया। **[1]**
(v) पढ़ाई करके राम उत्तीर्ण हुआ। **[1]**

Q5. **[4]**

(i) (a) तत्पुरुष समास **[1]**
(ii) (b) द्विगु समास **[1]**
(iii) (c) पीत है अंबर जिसका **[1]**
(iv) (d) चार राहों का समूह **[1]**
(v) द्वंद्व समास **[1]**

Q6. **[4]**

(i) (a) पुलिस को देखते ही चोर नौ-दो ग्यारह हो गए। **[1]**
(ii) (b) अपनी गलती पकड़े जाने पर वह पानी-पानी हो गया। **[1]**
(iii) (c) भारतीय सेना ने दुश्मन के छक्के छुड़ा दिए। **[1]**
(iv) (d) अन्याय होते देख सैनिकों ने अत्याचारियों के विरुद्ध तलवार खींच ली। **[1]**
(v) किसी बात का असर न होना। **[1]**

खंड – ग

पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक — 28 अंक

Q7. **[5]**

(i) (a) पावन **[1]**
(ii) (b) पदवी **[1]**
(iii) (a) धर्मगुरु **[1]**
(iv) (c) अफसोस में रोते रहने के कारण **[1]**
(v) (b) कथन तथा कारण दोनों सही हैं **[1]**

Q8. **[6]**

(i) व्यस्त जीवन, भौतिक सुखों की होड़ और आत्मकेंद्रितता के कारण लोग दूसरों के दुख की ओर ध्यान नहीं दे पाते। सामाजिक जुड़ाव कम होने से भी संवेदना घटती है। **[2]**
(ii) कर्नल अंग्रेज़ी सत्ता का प्रतिनिधि है, जो भारतीय विद्रोह को कुचलने और विद्रोहियों को पकड़ने के लिए सक्रिय है। उसके माध्यम से दमनकारी औपनिवेशिक शासन दिखाई देता है। **[2]**
(iii) डायरी-शैली में घटनाएँ प्रत्यक्ष अनुभव के रूप में सामने आती हैं, जिससे पाठक उस समय के वातावरण को सजीव रूप से अनुभव करता है। लेखक की निजी प्रतिक्रियाएँ भी पाठ को विश्वसनीय बनाती हैं। **[2]**
(iv) शैलेंद्र सिनेमा की चकाचौंध के बीच रहते हुए भी धन और यश की होड़ में नहीं पड़े। उनका जीवन उनके गीतों की तरह सादा, संवेदनशील और मूल्यनिष्ठ था। **[2]**
(किन्हीं तीन उप-प्रश्नों के उत्तर पर अंक दिए जाएँ।)

Q9. **[5]**

(i) (b) ईस्ट इंडिया कंपनी ने **[1]**
(ii) (c) अपनी क्षमता पर गर्व था **[1]**
(iii) (b) II - IV **[1]**
(iv) (b) अंग्रेजों के अत्याचारों का प्रमाण होने के कारण **[1]**
(v) (a) प्रवेश द्वार **[1]**

Q10. **[6]**

(i) कबीर ने पोथी-ज्ञान, कर्मकांड और दिखावे पर व्यंग्य करते हुए मन की शुद्धता और सच्चे प्रेम पर बल दिया है। **[2]**
(ii) स्वार्थ, भेदभाव और हिंसा के युग में मानवता, प्रेम और सहयोग का संदेश आज भी अत्यंत आवश्यक है। **[2]**
(iii) हथियार नहीं, बल्कि प्रेम, सहयोग और शांति मनुष्यता के लिए आवश्यक हैं। **[2]**
(iv) निर्भयता आगे बढ़ने और संघर्ष करने का मूल आधार है; भय पर विजय से ही जीवन सार्थक होता है। **[2]**
(किन्हीं तीन उप-प्रश्नों के उत्तर पर अंक दिए जाएँ।)

Q11. **[6]**

(i) पहले खेल मैदानों और गलियों में सहज रूप से होते थे।
आज मोबाइल और स्क्रीन ने बच्चों के खेल के अवसर सीमित कर दिए हैं।
आज के बच्चों को भी मैदान के खेलों से जोड़ना आवश्यक है।
(ii) उनकी मित्रता धार्मिक भिन्नता के बावजूद गहरी और सहज थी।
दोनों एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ रहते थे।
यह मित्रता जाति, भाषा और धर्म की दीवारों से परे थी।
(iii) महंत ने ज़बरदस्ती सादे कागज़ पर हरिहर काका के अँगूठे के निशान लिए।
उन पर मारपीट करके उन्हें दबाव में रखा गया।
हाथ, पाँव और मुँह बाँधकर कमरे में बंद करने से उनका मनोबल तोड़ा गया।
(किन्हीं दो उप-प्रश्नों के उत्तर पर अंक दिए जाएँ।)

खंड – घ

रचनात्मक लेखन — 22 अंक

Q12. **[5]**

आरंभ या शीर्षक से विषय का परिचय **[1]**
'बड़ों के स्नेह और मार्गदर्शन से संस्कार' पर विचार **[1]**

'सुख-दुख में एक-दूसरे का सहारा' का स्पष्टीकरण **[1]**
'बुजुर्गों का अनुभव और सामूहिक जिम्मेदारी' से जुड़ा उदाहरण या तर्क **[1]**
निष्कर्ष, क्रमबद्धता और भाषा-शैली **[1]**
आदर्श उत्तर: भारतीय संस्कृति में संयुक्त परिवार की परंपरा सदियों से चली आ रही है। संयुक्त परिवार में दादा-दादी, माता-पिता और बच्चे एक साथ रहते हैं। ऐसे परिवार में बच्चों को बड़ों का स्नेह और मार्गदर्शन मिलता है, जिससे उनके संस्कार मजबूत होते हैं। सुख-दुख में सभी सदस्य एक-दूसरे का सहारा बनते हैं। बुजुर्गों का अनुभव परिवार की समस्याओं को सरलता से सुलझाने में सहायक होता है। मिल-जुलकर काम करने से जिम्मेदारी की भावना भी विकसित होती है। आधुनिक जीवन की व्यस्तता के कारण आज संयुक्त परिवार कम होते जा रहे हैं, फिर भी उनके मूल्य अमूल्य हैं। हमें बड़ों का आदर करते हुए आपसी प्रेम बनाए रखना चाहिए।

OR

आरंभ या शीर्षक से विषय का परिचय **[1]**
'निरंतर अभ्यास से निखरता कौशल' पर विचार **[1]**
'कठिनाइयों को अवसर मानना' का स्पष्टीकरण **[1]**
'आलस्य का नाश और आत्मविश्वास' से जुड़ा उदाहरण या तर्क **[1]**
निष्कर्ष, क्रमबद्धता और भाषा-शैली **[1]**
आदर्श उत्तर: परिश्रम वह कुंजी है जो सफलता के द्वार खोलती है। संसार में जितने भी महान व्यक्ति हुए हैं, उन्होंने अपने कठिन परिश्रम से ही ऊँचा स्थान पाया। परिश्रमी व्यक्ति कठिनाइयों से घबराता नहीं, बल्कि हर चुनौती को अवसर मानकर आगे बढ़ता है। निरंतर अभ्यास से कौशल निखरता है और आत्मविश्वास बढ़ता है। आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है, जो उसकी क्षमताओं को भीतर ही भीतर सुला देता है। विद्यार्थी जीवन में परिश्रम का विशेष महत्त्व है, क्योंकि यही भविष्य की नींव रखता है। सच्चे परिश्रम से ही सपने साकार होते हैं। अतः हमें लक्ष्य प्राप्ति तक निरंतर परिश्रम करते रहना चाहिए।

Q13. [5]

प्रेषक का पता, दिनांक और प्रापक का पद-पता सही क्रम में **[1]**
विषय-पंक्ति का सटीक और संक्षिप्त उल्लेख **[1]**
'सविनय निवेदन' या 'महोदय/महोदया' से औपचारिक आरंभ **[1]**
मुख्य समस्या/विषय का तर्कसंगत विवरण और अपेक्षित कार्यवाही **[1]**
विनम्र समापन ('भवदीय/सधन्यवाद'), भाषा की औपचारिकता और हस्ताक्षर-विवरण **[1]**
आदर्श उत्तर: प्रेषक:
अंकित मौर्य
कक्षा XI-क (पूर्व छात्र-प्रतिनिधि)
राजकीय उच्च विद्यालय, नगर
दिनांक: 6 नवंबर 2026

सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय
राजकीय उच्च विद्यालय, नगर

विषय: खेल-सामग्री की खरीद हेतु राशि स्वीकृत करने का निवेदन।

महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि हमारे विद्यालय के खेल-मैदान में वॉलीबॉल, बैडमिंटन और क्रिकेट के लिए आवश्यक सामग्री कम हो गई है। कई गेंदें फटी हुई हैं और नेट भी ठीक नहीं है। इससे विद्यार्थियों के नियमित अभ्यास पर प्रभाव पड़ रहा है। अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि खेल-सामग्री की खरीद हेतु विद्यालय-कोष से राशि स्वीकृत करने की कृपा करें। विद्यार्थियों की ओर से हम आपके आभारी रहेंगे।

सधन्यवाद,
भवदीय,
अंकित मौर्य
छात्र-प्रतिनिधि

OR

प्रेषक का पता, दिनांक और प्रापक का पद-पता सही क्रम में **[1]**
विषय-पंक्ति का सटीक और संक्षिप्त उल्लेख **[1]**
'सविनय निवेदन' या 'महोदय/महोदया' से औपचारिक आरंभ **[1]**
मुख्य समस्या/विषय का तर्कसंगत विवरण और अपेक्षित कार्यवाही **[1]**
विनम्र समापन ('भवदीय/सधन्यवाद'), भाषा की औपचारिकता और हस्ताक्षर-विवरण **[1]**
आदर्श उत्तर: प्रेषक:
मीना देवी
कक्षा X-अ, राजकीय विद्यालय, नगर
दिनांक: 11 नवंबर 2026

सेवा में,

जिला शिक्षा अधिकारी महोदय
जिला शिक्षा कार्यालय, नगर

विषय: छात्रवृत्ति आवेदन की स्थिति के संबंध में।

महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि मेरे द्वारा मई माह में विद्यालय के माध्यम से प्रस्तुत छात्रवृत्ति-आवेदन की स्थिति अब तक ज्ञात नहीं हुई है। आवेदन की पावती भी प्राप्त नहीं हुई है। मेरी आर्थिक स्थिति को देखते हुए इस छात्रवृत्ति का मेरे लिए विशेष महत्त्व है। अतः कृपया आवेदन की वर्तमान स्थिति की जानकारी देने और आवश्यक दस्तावेज़ों की पुष्टि करने की कृपा करें। आपकी अत्यंत आभारी रहूँगी।

सधन्यवाद,
भवदीय,
मीना देवी
कक्षा X-अ

Q14. [4]

'सूचना' शीर्षक और संस्था/आयोजक का स्पष्ट नाम **[1]**
दिनांक, समय और स्थान का उल्लेख **[1]**
कार्यक्रम का मुख्य विवरण, उद्देश्य या अपेक्षित कार्य **[1]**
जारीकर्ता का पद, नाम/विभाग और सूचना की भाषा की संक्षिप्तता **[1]**
आदर्श उत्तर: सूचना
नगर निगम, मतदाता सहायता केंद्र
दिनांक: 9 नवंबर 2026
मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत 17 नवंबर को सुबह 10 बजे सभागार में नुक्कड़ नाटक एवं व्याख्यान होगा। 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिक अपने नाम की मतदाता सूची में जाँच कर सकते हैं। नए मतदाता पंजीकरण फॉर्म भी वहाँ उपलब्ध होंगे।
— सहायक निर्वाचन अधिकारी, मतदाता सहायता केंद्र

OR

'सूचना' शीर्षक और संस्था/आयोजक का स्पष्ट नाम **[1]**
दिनांक, समय और स्थान का उल्लेख **[1]**
कार्यक्रम का मुख्य विवरण, उद्देश्य या अपेक्षित कार्य **[1]**
जारीकर्ता का पद, नाम/विभाग और सूचना की भाषा की संक्षिप्तता **[1]**
आदर्श उत्तर: सूचना
सहकारी बैंक, मुख्य शाखा, नगर
दिनांक: 10 नवंबर 2026
बैंक द्वारा 26 नवंबर को सायं 4 बजे से सामुदायिक भवन में बैंकिंग साक्षरता कार्यशाला आयोजित होगी। ऑनलाइन लेन-देन, बचत योजनाओं और धोखाधड़ी से बचाव पर जानकारी दी जाएगी। विद्यार्थी और अभिभावक निःशुल्क भाग ले सकते हैं। पंजीकरण 24 नवंबर तक कराएँ।
— शाखा प्रबंधक, सहकारी बैंक, मुख्य शाखा

Q15. [3]

आकर्षक शीर्षक या स्लोगन **[1]**
सेवा/वस्तु का मुख्य विवरण और विशेषता **[1]**
संपर्क-विवरण या ग्राहक/पाठक को आह्वान **[1]**
आदर्श उत्तर: स्वाद में ताज़गी, हर दिन नई! मीठी मंज़िल बेकरी की नई शाखा का उद्घाटन। शुद्ध शाकाहारी केक, पेस्ट्री और ब्रेड, ताज़ा बने हुए। उद्घाटन सप्ताह में हर खरीद पर 10 प्रतिशत छूट। आइए, स्वाद का सफ़र शुरू करें — मुख्य मार्ग, नगर।

OR

आकर्षक शीर्षक या स्लोगन **[1]**
सेवा/वस्तु का मुख्य विवरण और विशेषता **[1]**
संपर्क-विवरण या ग्राहक/पाठक को आह्वान **[1]**
आदर्श उत्तर: आपकी साइकिल, हमारी ज़िम्मेदारी! चक्र-सेवा केंद्र में साइकिल की मरम्मत, ब्रेक और गियर की जाँच, नई चेन और हवा भरने की सुविधा। वाजिब दाम, त्वरित सेवा और अनुभवी कारीगर। सुरक्षित सवारी के लिए आज ही साइकिल लाएँ — बाज़ार चौक, नगर।

Q16. [5]

प्रति (To) और प्रेषक (From) का स्पष्ट उल्लेख **[1]**
विषय-पंक्ति (Subject) का सटीक और संक्षिप्त उल्लेख **[1]**
आदरपूर्ण या उपयुक्त संबोधन से आरंभ **[1]**
मुख्य संदेश/अनुरोध का स्पष्ट और तर्कसंगत विवरण **[1]**

विनम्र समापन, नाम-हस्ताक्षर और भाषा की शुद्धता **[1]**
आदर्श उत्तर: प्रति (To): ज्ञानदीप कोचिंग सेंटर <info@gyandeep.example>
प्रेषक (From): राजेश कुमार
विषय (Subject): गणित कोचिंग में प्रवेश से संबंधित जानकारी

आदरणीय महोदय, मैं कक्षा दसवीं का विद्यार्थी हूँ और गणित के लिए नियमित कोचिंग में प्रवेश लेना चाहता हूँ। कृपया बताएँ कि आपके बैच के समय, शुल्क-संरचना और साप्ताहिक परीक्षा की व्यवस्था क्या है। क्या शनिवार-रविवार के विशेष बैच भी उपलब्ध हैं? यदि कोई डेमो कक्षा संभव हो, तो उसकी तिथि भी सूचित करें। आपके उत्तर की प्रतीक्षा रहेगी। सादर, राजेश कुमार।

OR

लघुकथा का उपयुक्त शीर्षक **[1]**
दी गई पंक्ति से उचित और रोचक आरंभ **[1]**
कथानक का क्रमबद्ध और सुसंगत विकास **[1]**
पात्र और परिवेश का सजीव चित्रण **[1]**
प्रभावशाली अंत और सकारात्मक संदेश **[1]**
आदर्श उत्तर: शीर्षक: दादी की पोटली

पुराने बरगद के नीचे बैठकर दादी कहानी सुनाती थीं। पवन को मोबाइल के सामने कहानियाँ बोर लगती थीं। वह चाहकर भी दादी के पास बैठने का समय नहीं निकालता था। एक शाम बिजली चली गई, तो उसे मजबूरन दादी के पास बैठना पड़ा। दादी ने ईमानदारी और परिश्रम की एक सच्ची कहानी सुनाई। पवन की आँखें नम हो गईं। उसे अपनी लापरवाही पर पछतावा हुआ और दादी की गोद में सिर रखकर उसने क्षमा माँगी। अगले दिन उसने दोस्तों को वही कहानी सुनाई। तब उसे समझ आया कि दादी की पोटली में पुराने किस्से नहीं, जीवन के मूल्य बँधे थे।

*** * * END OF PAPER * * ***